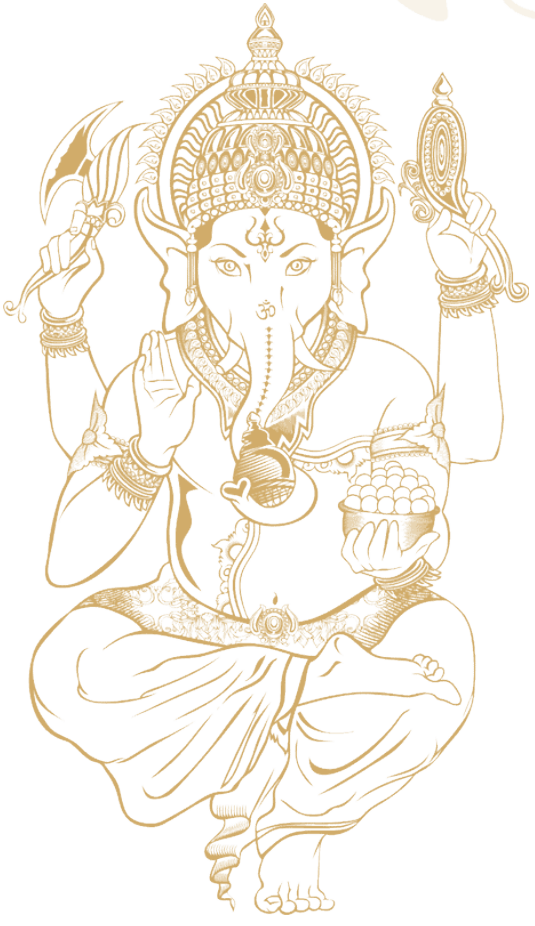

Mr.Ram Pal

11 Jul 1976

11:10 AM

Bilaspur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119139102

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
11/07/1976	जन्म तिथि	**11-12/07/2025**
रविवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 11:10:03	जन्म समय	00:33:32 घंटे
घटी 14:18:07	जन्म समय(घटी)	47:46:37 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Bilaspur
उत्तर 31:18:00	अक्षांश	31:18:00 उत्तर
पूर्व 76:48:00	रेखांश	76:48:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:48	सूर्योदय	05:26:53
19:29:43	सूर्यास्त	19:29:24
23:31:57	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:53

कन्या	लग्न	मेष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
धनु	राशि	मकर
गुरु	राशि-स्वामी	शनि
पूर्वाषाढ़ा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	4
वैधृति	योग	विष्कुम्भ
बव	करण	कौलव
फा-फारुख	जन्म नामाक्षर	जी-जीविका
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
वानर	योनि	नकुल
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	सिंह
49	गत/तत्कालिक वर्ष	50

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
उ०फाल्गुनी	4	07:23:43	कन्या		
पुनर्वसु	2	25:30:41	मिथु		
पूर्वाषाढ़ा	3	21:30:22	धनु		
मघा	3	09:02:43	सिंह		
पुनर्वसु	1	20:15:52	मिथु		अ
कृतिका	2	00:29:50	वृष		
पुनर्वसु	4	01:51:33	कर्क		अ
पुष्य	3	10:40:13	कर्क		
स्वाति	3	16:35:28	तुला	व	
भरणी	1	16:35:28	मेष	व	
स्वाति	1	09:30:06	तुला	व	

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मेष	08:14:05	3	अश्विनी
सूर्य			मिथु	25:30:41	2	पुनर्वसु
चंद्र			मक	06:42:46	4	उत्तराषाढ़ा
मंगल			सिंह	19:52:35	2	पू०फाल्गुनी
बुध		अ	कर्क	19:45:25	1	आश्लेषा
गुरु			मिथु	13:02:52	2	आर्द्रा
शुक्र		अ	वृष	13:43:27	2	रोहिणी
शनि			मीन	07:43:06	2	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	25:46:26	2	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	25:46:26	4	पू०फाल्गुनी
मु	व		तुला	07:23:43	1	स्वाति

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:53

लग्न-चलित

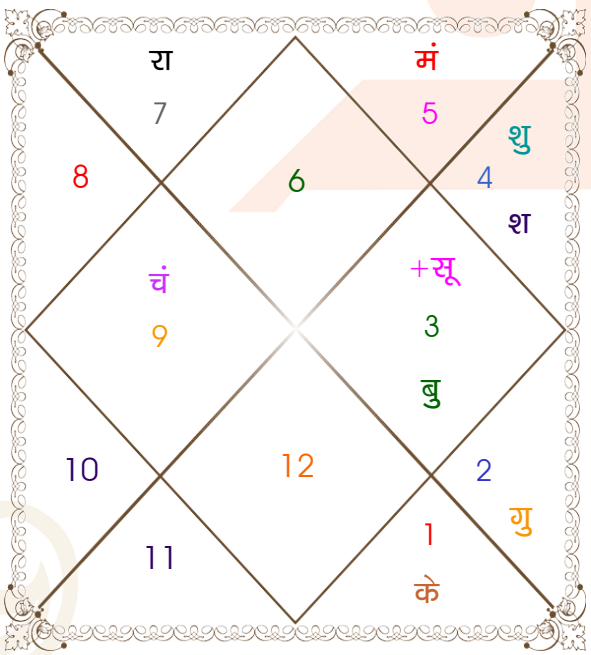

वर्ष लग्न कुंडली

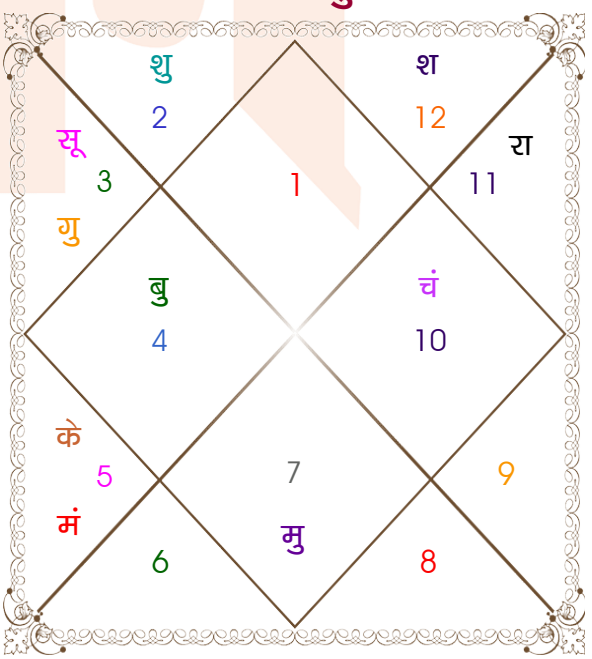

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - गुरु - शनि		गुरु - गुरु - बुध		गुरु - गुरु - केतु		गुरु - गुरु - शुक्र	
20/07/2025 22:34		21/11/2025 07:32		11/03/2026 16:49		26/04/2026 03:41	
21/11/2025 07:32		11/03/2026 16:49		26/04/2026 03:41		03/09/2026 00:29	
शनि	09/08/2025 11:23	बुध	06/12/2025 22:51	केतु	14/03/2026 08:27	शुक्र	17/05/2026 19:09
बुध	26/08/2025 22:51	केतु	13/12/2025 09:23	शुक्र	21/03/2026 22:15	सूर्य	24/05/2026 07:00
केतु	03/09/2025 03:35	शुक्र	31/12/2025 18:56	सूर्य	24/03/2026 04:48	चंद्र	04/06/2026 02:44
शुक्र	23/09/2025 17:04	सूर्य	06/01/2026 07:24	चंद्र	27/03/2026 23:42	मंगल	11/06/2026 16:33
सूर्य	29/09/2025 21:07	चंद्र	15/01/2026 12:10	मंगल	30/03/2026 15:21	राहु	01/07/2026 04:04
चंद्र	10/10/2025 03:52	मंगल	21/01/2026 22:43	राहु	06/04/2026 10:58	गुरु	18/07/2026 11:38
मंगल	17/10/2025 08:35	राहु	07/02/2026 12:06	गुरु	12/04/2026 12:26	शनि	08/08/2026 01:08
राहु	04/11/2025 20:44	गुरु	22/02/2026 05:20	शनि	19/04/2026 17:09	बुध	26/08/2026 10:41
गुरु	21/11/2025 07:32	शनि	11/03/2026 16:49	बुध	26/04/2026 03:41	केतु	03/09/2026 00:29

गुरु - गुरु - सूर्य		गुरु - गुरु - चंद्र		गुरु - गुरु - मंगल		गुरु - गुरु - राहु	
03/09/2026 00:29		11/10/2026 23:32		15/12/2026 21:56		30/01/2027 08:49	
11/10/2026 23:32		15/12/2026 21:56		30/01/2027 08:49		27/05/2027 05:56	
सूर्य	04/09/2026 23:14	चंद्र	17/10/2026 09:24	मंगल	18/12/2026 13:34	राहु	16/02/2027 21:35
चंद्र	08/09/2026 05:10	मंगल	21/10/2026 04:18	राहु	25/12/2026 09:12	गुरु	04/03/2027 11:36
मंगल	10/09/2026 11:42	राहु	30/10/2026 22:04	गुरु	31/12/2026 10:39	शनि	22/03/2027 23:44
राहु	16/09/2026 07:58	गुरु	08/11/2026 13:51	शनि	07/01/2027 15:22	बुध	08/04/2027 13:08
गुरु	21/09/2026 12:38	शनि	18/11/2026 20:36	बुध	14/01/2027 01:55	केतु	15/04/2027 08:46
शनि	27/09/2026 16:41	बुध	28/11/2026 01:22	केतु	16/01/2027 17:33	शुक्र	04/05/2027 20:17
बुध	03/10/2026 05:09	केतु	01/12/2026 20:17	शुक्र	24/01/2027 07:22	सूर्य	10/05/2027 16:32
केतु	05/10/2026 11:41	शुक्र	12/12/2026 16:01	सूर्य	26/01/2027 13:54	चंद्र	20/05/2027 10:18
शुक्र	11/10/2026 23:32	सूर्य	15/12/2026 21:56	चंद्र	30/01/2027 08:49	मंगल	27/05/2027 05:56

गुरु - शनि - शनि		गुरु - शनि - बुध		गुरु - शनि - केतु		गुरु - शनि - शुक्र	
27/05/2027 05:56		20/10/2027 18:04		28/02/2028 20:05		22/04/2028 19:31	
20/10/2027 18:04		28/02/2028 20:05		22/04/2028 19:31		24/09/2028 00:43	
शनि	19/06/2027 10:39	बुध	08/11/2027 07:45	केतु	02/03/2028 23:39	शुक्र	18/05/2028 12:23
बुध	10/07/2027 04:46	केतु	15/11/2027 23:16	शुक्र	11/03/2028 23:34	सूर्य	26/05/2028 05:26
केतु	18/07/2027 17:53	शुक्र	07/12/2027 19:37	सूर्य	14/03/2028 16:20	चंद्र	08/06/2028 01:52
शुक्र	12/08/2027 03:54	सूर्य	14/12/2027 08:55	चंद्र	19/03/2028 04:17	मंगल	17/06/2028 01:46
सूर्य	19/08/2027 11:43	चंद्र	25/12/2027 07:05	मंगल	22/03/2028 07:51	राहु	10/07/2028 04:57
चंद्र	31/08/2027 16:43	मंगल	01/01/2028 22:36	राहु	30/03/2028 10:10	गुरु	30/07/2028 18:27
मंगल	09/09/2027 05:50	राहु	21/01/2028 14:30	गुरु	06/04/2028 14:53	शनि	24/08/2028 04:28
राहु	01/10/2027 05:15	गुरु	08/02/2028 01:58	शनि	15/04/2028 03:59	बुध	15/09/2028 00:48
गुरु	20/10/2027 18:04	शनि	28/02/2028 20:05	बुध	22/04/2028 19:31	केतु	24/09/2028 00:43

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे ।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा ।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।